समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

मारुति सुजुकी ने बनाया रिकॉर्ड: फोर्ड, जीएम और फॉक्सवैगन को पीछे छोड़कर बनी दुनिया की 8वीं सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी

Publisher

Published on 26 Sep 2025

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए यह ऐतिहासिक पल है। मारुति सुजुकी ने दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनियों की सूची में 8वां स्थान हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ ही मारुति ने फोर्ड, जनरल मोटर्स (जीएम) और फॉक्सवैगन जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। यह पहली बार है कि कोई भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी दुनिया के टॉप 10 में शामिल हुई है।

मारुति सुजुकी के शेयरों मे तेजी का कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, जीएसटी दरों में हालिया बदलाव का सबसे बड़ा फायदा मारुति सुजुकी को हुआ है। नए कर नियमों और टैक्स संरचना के कारण कंपनी की लागत घटने के साथ-साथ मुनाफे में वृद्धि हुई। यही कारण है कि मारुति के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला।

शेयर बाजार में मारुति सुजुकी का मार्केट कैप अब कई विदेशी दिग्गजों से आगे निकल गया है। यह न केवल निवेशकों के लिए खुशी का मौका है, बल्कि भारतीय ऑटो उद्योग की ताकत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी क्षमता को भी दर्शाता है।

टॉप 10 ऑटो कंपनियों मे शामिल होना क्यों है खास

दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री में शामिल होने के लिए कंपनियों को तकनीकी नवाचार, मजबूत मार्केटिंग, उत्पादन क्षमता और वित्तीय स्थिरता जैसे कई मानकों पर खरा उतरना पड़ता है। मारुति सुजुकी ने यह सब करते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारतीय उद्योग के लिए गर्व का क्षण भी है। मारुति की इस उपलब्धि से भारतीय ऑटो कंपनियों के लिए वैश्विक मानकों तक पहुंचने का मार्ग आसान होगा।

मारुति की रणनीतियाँ और विकास

मारुति सुजुकी ने वर्षों में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को अपडेट किया और ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए मॉडल लॉन्च किए। साथ ही, कंपनी ने उत्पादन लागत कम करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया।

जीएसटी दरों में बदलाव के साथ ही मारुति ने अपने नए वाहनों के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण किया, जिससे बिक्री में वृद्धि हुई और बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत हुई।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा मे भारत का नाम

मारुति सुजुकी की यह उपलब्धि यह साबित करती है कि भारतीय कंपनियाँ वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। फोर्ड, जीएम और फॉक्सवैगन जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़कर टॉप 10 में शामिल होना भारतीय ऑटो उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस उपलब्धि से अन्य भारतीय ऑटो कंपनियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे अपने नवाचार और तकनीकी क्षमता को बढ़ाकर वैश्विक मानकों तक पहुंचें।

निष्कर्ष

मारुति सुजुकी ने न केवल शेयर बाजार में निवेशकों के लिए भरोसा बढ़ाया है, बल्कि भारतीय ऑटो उद्योग को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान भी दी है। जीएसटी दरों में बदलाव, मार्केटिंग रणनीति और उत्पाद नवाचार ने कंपनी को इस मुकाम तक पहुंचाया है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मारुति सुजुकी इस सफलता का लाभ कैसे और बढ़ाती है और आने वाले वर्षों में यह भारतीय ऑटो उद्योग को कितनी ऊंचाइयों तक ले जाती है। एक बात तय है कि मारुति सुजुकी ने भारतीय उद्योग के लिए एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है, जो आने वाले समय में प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.